विषय-सूची

	विषय	पृष्ठ
—	संकलन-सम्पादन में प्रयुक्त ग्रन्थों की संकेत सूची	6
—	प्रकाशकीय	7
—	सम्पादकीय	9
—	जैन वाङ्मय का दशमलव वर्गीकरण	14
—	कर्मवाद का वर्गीकरण	17
—	क्रियावाद का वर्गीकरण	18
—	भूमिका—उपाध्याय अमर मुनि	19
—	आमुख—जबरमल भंडारी	26
·०	**शब्द विवेचन**	१—३०
·०१	शब्द-व्युत्पत्ति	१
·०१·१	प्राकृत में 'किरिया' शब्द की व्युत्पत्ति	१
·०१·२	पाली में 'किरिया' शब्द की व्युत्पत्ति	१
·०१·३	संस्कृत में 'क्रिया' शब्द की व्युत्पत्ति	२
·०२	क्रिया शब्द के पर्यायवाची शब्द	२
·०२·१	कर्मबन्धनिबन्धभूतार्थक्रिया के पर्यायवाची शब्द	२
·०२·२	सदनुष्ठान क्रिया के पर्यायवाची शब्द	३
·०२·३	परिस्पंदनार्थ क्रिया के पर्यायवाची शब्द	३
·०३	विभिन्न भाषाओं में क्रिया शब्द के विभिन्न अर्थ	४
·०३·१	प्राकृत भाषा में 'किरिया' शब्द के अर्थ	४
·०३·२	पाली भाषा में 'किरिया' शब्द के अर्थ	४
·०३·३	संस्कृत भाषा में क्रिया शब्द के अर्थ	४
·०४	*सविशेषण—ससमास—सप्रत्यय 'किरिया' शब्दों की सूची*	५
	,, ,, ,, ,, परिभाषा	६—२०
·०५	परिभाषा के उपयोगी पाठ	२०

"Aho Shrutgyanam"

विषय		पृष्ठ
·०६	प्राचीन आचार्यों द्वारा की गई क्रिया की परिभाषा	२१
·०७	क्रिया के भेद	२२-२८
·०७·१	एक भेद	२२
·०७·२	दो भेद	२२
·०७·३	तीन भेद	२४
·०७·४	क्रिया के पाँच भेद	२४
·०७·४·१	आरंभिया पंचक	२४
·०७·४·२	काइया पंचक	२५
·०७·४·३	दिट्ठिया पंचक	२५
·०७·४·४	णेसत्थिया पंचक	२६
·०७·४·५	पेज्जवत्तिया पंचक	२६
·०७·४·६	सम्यक्त्व पञ्चक	२६
·०७·५	तेरह भेद (क्रियास्थान)	२७
·०७·६	अठारह भेद (पापस्थान)	२७
·०७·७	क्रिया के पचीस भेद	२८
·०८	क्रिया पर विवेचन गाथा—संस्कृत पद्य	२८
·०९	क्रिया का नय और निक्षेपों की अपेक्षा विवेचन	३०
·०९·१	नय की अपेक्षा	३०
·०९·२	निक्षेप की अपेक्षा	३०
·१/·६	**विभिन्न क्रियाओं का विवेचन**	**३१—१८८**
·११	जीवक्रिया-परिभाषा/अर्थ, भेद तथा भेदों की परिभाषा/अर्थ	३४
·१२	अजीव क्रिया— ,, ,,	३४
·१३	आरम्भिकी क्रिया ,, ,,	३५
·१४	पारिग्रहिकी क्रिया ,, ,,	३६
·१४·४	पारिग्रहिकी क्रिया और जीवदण्डक	३७
·१४·५	पारिग्रहिकी क्रिया और कर्मप्रकृति का बन्धन	३८
·१५	मायाप्रत्ययिकी क्रिया (स्थान)—परिभाषा/अर्थ, भेद तथा भेदों की परिभाषा/अर्थ	३८
·१५·४	मायाप्रत्ययिकी क्रिया तथा जीवदण्डक	४०

"Aho Shrutgyanam"

विषय		पृष्ठ
·१५·५	मायाप्रत्ययिकी क्रियारत व्यक्ति	४०
·१५·६	मायाप्रत्ययिकी क्रिया और कर्मप्रकृति का बन्ध	४१
·१६	अप्रत्याख्यान क्रिया—परिभाषा/अर्थ, भेद तथा भेदों की परिभाषा/अर्थ	४२
·१६·४	जीव तथा अप्रत्याख्यान क्रिया की समानता	४३
·१६·५	निक्षेपों की अपेक्षा से अप्रत्याख्यान क्रिया का विवेचन	४३
·१६·६	अप्रत्याख्यान क्रिया का दार्शनिक विवेचन	४४
·१६·६·१	आत्मा और अप्रत्याख्यान	४५
·१६·६·२	अप्रत्याख्यानी जीव और पापकर्म का बन्धन	४५-५६
·१७	मिथ्यादर्शनप्रत्ययिकी क्रिया—परिभाषा/अर्थ, भेद तथा भेदों की परिभाषा/अर्थ	५६
·१८	कायिकी क्रिया ,,	५८
·१९	आधिकरणिकी क्रिया ,,	६०
·२०	प्राद्वेषिकी क्रिया ,,	६२
·२१	पारितापनिकी क्रिया ,,	६३
·२२	प्राणातिपातिकी क्रिया ,,	६५
·२२·४	प्राणातिपात क्रिया और जीवदण्डक	६७
·२२·५	प्राणातिपात क्रिया और कर्मप्रकृति का बंध	६९
·२३	दृष्टिका क्रिया—परिभाषा/अर्थ, भेद तथा भेदों की परिभाषा/अर्थ	७०
·२४	पृष्टिका/स्पृष्टिका क्रिया ,,	७१
·२५	प्रातीत्यिकी क्रिया ,,	७२
·२६	सामन्तोपनिपातिकी क्रिया ,,	७३
·२७	स्वाहस्तिकी क्रिया ,,	७५
·२८	नैसृष्टिकी क्रिया ,,	७६
·२९	आज्ञापनिका/आनायनिका क्रिया ,,	७७
·३०	वैदारणिकी/वैचारणिकी क्रिया ,,	७८
·३१	अनाभोगप्रत्ययिकी क्रिया ,,	७९
·३२	अनवकांक्षाप्रत्ययिकी क्रिया ,,	८०
·३३	रागप्रत्ययिकी क्रिया ,,	८१
·३३·४	रागप्रत्ययिकी क्रिया और जीवदंडक	८२

"Aho Shrutgyanam"

विषय		पृष्ठ
·३३·५	रागप्रत्ययिकी क्रिया और कर्मप्रकृति का बन्ध	८३
·३४	द्वेषप्रत्ययिकी क्रिया—परिभाषा/अर्थ, भेद तथा भेदों की परिभाषा/अर्थ	८३
·३४·४	द्वेषप्रत्ययिकी क्रिया और जीवदण्डक	८३
·३४·५	द्वेषप्रत्ययिकी क्रिया और कर्मप्रकृति का बन्ध	८४
·३५	प्रायोगिकी क्रिया—परिभाषा/अर्थ, भेद तथा भेदों की परिभाषा/अर्थ	८४
·३६	सामुदानिकी क्रिया ,,	८६
·३७	ऐर्यापथिकी क्रिया ,,	८७
·३७·४	ऐर्यापथिकी क्रिया किसके, कैसे, कियत्कालीन होती है	८८
·३८	साम्परायिकी क्रिया—परिभाषा/अर्थ	९१
·३९	सम्यक्त्व क्रिया—परिभाषा/अर्थ	९२
·४०	मिथ्यात्व क्रिया—परिभाषा/अर्थ, भेद तथा भेदों की परिभाषा/अर्थ	९३
·४१	अक्रिया (दुष्प्रयुक्त क्रिया) ,, ,,	९४
·४२	अज्ञान क्रिया (अक्रिया का भेद) ,, ,,	९५
·४३	अर्थदंडप्रत्ययिक क्रिया (स्थान)—परिभाषा/अर्थ	९६
·४४	अनर्थदंडप्रत्ययिक क्रिया (स्थान) ,,	९६
·४५	हिंसादण्डप्रत्ययिक क्रिया (स्थान) ,,	९८
·४६	अकस्मात्दंडप्रत्ययिक क्रिया (स्थान) ,,	९८
·४७	दृष्टिविपर्यासप्रत्ययिक क्रिया (स्थान) ,,	९९
·४८	मृषावाद क्रिया (स्थान) ,,	१००
·४८·२	मृषावाद क्रिया और जीव	१०१
·४८·३	मृषावाद क्रिया और जीव दण्डक	१०१
·४८·४	मृषावादक्रिया और कर्मप्रकृतिका बन्ध	१०१
·४९	अदत्तादान क्रिया (स्थान)—परिभाषा/अर्थ	१०२
·४९·२	अदत्तादान क्रिया और जीव	१०२
·४९·३	अदत्तादानक्रिया और जीवदण्डक	१०२
·४९·४	अदत्तादान क्रिया और कर्मप्रकृति का बंध	१०३
·५०	अध्यात्म-प्रत्ययिक क्रिया (स्थान)—परिभाषा/अर्थ	१०३
·५१	मानप्रत्ययिकी क्रिया (स्थान) ,,	१०४

"Aho Shrutgyanam"

	विषय	पृष्ठ
·५१·२	मानप्रत्ययिकी क्रिया और जीवदंडक	१०४
·५१·३	मानप्रत्ययिकी क्रिया और जीव	१०५
·५१·४	मानप्रत्ययिकी क्रिया और कर्मप्रकृति का बंध	१०६
·५२	मित्रद्वेषप्रत्ययिक क्रिया (स्थान)—परिभाषा/अर्थ	१०६
·५३	लोभप्रत्ययिक क्रिया (स्थान) ,,	१०७
·५३·२	लोभप्रत्ययिक क्रिया और जीवदण्डक	१०७
·५३·३	लोभप्रत्ययिक क्रिया का सदृष्टांत विवेचन	१०८
·५३·४	लोभप्रत्ययिक क्रिया और कर्मप्रकृति का बंध	१०९
·५४	मैथुन (अब्रह्मचर्य) पापस्थान क्रिया—परिभाषा/अर्थ तथा भेद	११०
·५४·३	मैथुन (अब्रह्मचर्य) क्रिया और जीवदण्डक	११०
·५४·४	मैथुन (अब्रह्मचर्य) क्रिया और कर्मप्रकृतिका बंध	१११
·५५	क्रोधप्रत्ययिक पापस्थान क्रिया—परिभाषा/अर्थ	१११
·५५·२	क्रोधप्रत्ययिक क्रिया और जीवदंडक	११२
·५५·३	क्रोधप्रत्ययिक क्रिया और कर्मप्रकृति का बंध	११३
·५६	कलह पापस्थान क्रिया—परिभाषा/अर्थ	११३
·५६·२	कलहक्रिया और जीवदंडक	११३
·५६·३	कलहक्रिया और कर्मप्रकृति का बंध	११४
·५७	अभ्याख्यान पापस्थान क्रिया—परिभाषा/अर्थ	११४
·५७·२	अभ्याख्यानक्रिया और जीवदंडक	११५
·५७·३	अभ्याख्यान क्रिया और कर्मप्रकृति का बंध	११५
·५८	पैशुन्य पापस्थान क्रिया—परिभाषा/अर्थ	११६
·५८·२	पैशुन्य क्रिया और जीवदंडक	११६
·५८·३	पैशुन्यक्रिया और कर्मप्रकृति का बंध	११७
·५९	परपरिवाद पापस्थान क्रिया—परिभाषा/अर्थ	११७
·५९·२	परपरिवाद क्रिया और जीवदंडक	११७
·५९·३	परपरिवाद क्रिया और कर्मप्रकृति का बंध	११८
·६०	रति-अरति पापस्थान क्रिया—परिभाषा/अर्थ	११८
·६०·२	रति-अरतिक्रिया और जीवदंडक	११९
·६०·३	रति-अरतिक्रिया और कर्मप्रकृति का बंध	१२०
·६१	मायामृषा पापस्थान क्रिया—परिभाषा/अर्थ	१२०

"Aho Shrutgyanam"

विषय		पृष्ठ
·६१·२	मायामृषा क्रिया और जीवदंडक	१२०
·६१·३	मायामृषावाद क्रिया और कर्मप्रकृति का बंध	१२१
·६२	मिथ्यादर्शनशल्य (पापस्थान) क्रिया—परिभाषा/अर्थ	१२२
·६२·२	मिथ्यादर्शनशल्यक्रिया और जीवदंडक	१२२
·६२·३	मिथ्यादर्शशल्य क्रिया और कर्मप्रकृति का बंध	१२३
·६३	एजनादि क्रिया—परिभाषा/अर्थ, भेद तथा भेदों की परिभाषा	१२३
·६३·४	सयोगी जीव और एजनादि क्रिया	१२५
·६३·५	शैलेशी जीव एजनादि क्रिया नहीं करता है	१२७
·६३·६	चलना क्रिया—परिभाषा/अर्थ, भेद तथा भेदों की परिभाषा	१२७
·६३·७	एजनक्रिया और जीव	१२६
·६४	क्रियाद्वयक	१३०
·६४·१	सम्यक्त्व-मिथ्यात्व क्रियाद्वयक	१३०
·६४.१·१	सम्यक्त्व और मिथ्यात्व—दोनों क्रियाएँ एक जीव के एक समय में नहीं होतीं	१३०
·६४·२	ऐर्यापथिकी-सांपरायिकी क्रियाद्वयक	१३१
·६४·२·१	ऐर्यापथिकी और साम्परायिकी—दोनों क्रियाएँ एक जीव के एक समय में नहीं होतीं	१३१
·६४·२·२	ऐर्यापथिकी—सांपरायिकी क्रियाद्वयक और अनगार	१३२
·६४·२·३	ऐर्यापथिकी—सांपरायिकी क्रियाद्वयक और श्रमणोपासक	१३५
·६५	आरम्भिकी क्रियापंचक	१३५
·६५·१	नाम	१३६
·६५·२	आरम्भिकी क्रियापंचक और जीवदण्डक	१३६
६५·३	आरम्भिकी क्रियापंचक और मिथ्यादृष्टि जीव	१३७
·६५·४	" समदृष्टि जीव	१३७
·६५·५	" और गुणस्थान	१३७
·६५·६	" और प्राणातिपातादि विरमण	१३६
·६५·७	" और जीवों में क्रिया-समानता	१४०
·६५·८	" की नियमा-भजना औघिक जीव की अपेक्षा	१४७
·६५·९	आरम्भिकी क्रियापंचक की नियमा-भजना जीवदण्डक की अपेक्षा	१४८
·६५·१०	आरम्भिकी क्रियापंचक की नियमा-भजना समय, देश और प्रदेश की अपेक्षा	१४९

"Aho Shrutgyanam"

विषय		पृष्ठ
·६५·११	आरम्भिकी क्रियापंचक और माल का क्रेता-विक्रेता	१५०
·६५·१२	आरम्भिकी क्रियापंचक और अल्पबहुत्व	१५२
·६६	कायिकी क्रियापंचक	१५३
·६६·१	कायिकी क्रियापंचक की क्रियाओं के नाम	१५३
·६६·२	दंडक के जीव और कायिकी क्रियापंचक	१५३
·६६·३	जीव की अन्य जीव या जीवों के प्रति कायिकी पंचक क्रियाएँ	१५४
·६६·४	दण्डक के जीव का औधिक जीव के दण्डक के जीव के प्रति कायिकी पंचक की क्रिया	१५५
·६६·५	परकीय औदारिक शरीर की अपेक्षा कितनी क्रिया	१५७
·६६·६	परकीय वैक्रिय शरीर की अपेक्षा जीव के कितनी क्रिया	१५८
·६६·७	परकीय आहारक, तैजस, कार्मण शरीर की अपेक्षा जीव के कितनी क्रिया	१५९
·६६·८	कायिकी क्रियापंचक और शरीर, इन्द्रिय व योग का निर्माण करता हुआ जीव	१६०
·६६·९	कायिकी क्रियापंचक और श्वास-निश्वास लेते हुए स्थावर जीव	१६१
·६६·१०	कायिकी क्रियापंचक और वृक्षादि को कंपाता—नीचे गिराता हुआ वायुकायिक जीव	१६२
·६६·११	कायिकीक्रियापंचक और ताल वृक्ष को कंपाता तथा नीचे गिराता हुआ पुरुष तथा तालफल	१६२
·६६·१२	कायिकी क्रियापंचक और वृक्ष के मूल यावत् बीज को कंपाता तथा नीचे गिराता हुआ पुरुष	१६४
·६६·१३	कायिकी क्रियापंचक और समुद्घात	१६६-१६९
·६६·१४	जीव और कायिकी क्रियापंचक की पारस्परिक नियमा-भजना	१६९
·६६·१५	कायिकी आदि क्रियाओं की पारस्परिक नियमा-भजना-समय-देश-प्रदेश की अपेक्षा	१७३
·६६·१६	क्रियाओंकी स्पृष्टता की नियमा-भजना जीव और समय की अपेक्षा	१७३
·६६·१७	कर्म बाँधता हुआ जीव और कायिकी क्रियापंचक	१७५
·६६·१८	आयोजिका विशेषण सहित कायिकी क्रियापंचक	१७६
·६६·१९	कायिकी क्रियापंचक के उदाहरण	१७६
·६७	त्रय क्रियापंचक	१८५

"Aho Shrutgyanam"

विषय		पृष्ठ
·६७·१	दंडक के जीव और दृष्टिका क्रियापंचक	१८५
·६७·२	दंडक के जीव और आज्ञापनिका क्रियापंचक	१८५
·६७·३	दंडक के जीव और रागप्रत्ययिकी क्रियापंचक	१८५
·६८	पापस्थान क्रिया	१८६
·६८·१	पापस्थान क्रियाओं की स्पृष्टता आदि	१८६
·६८·२	पापस्थान क्रिया और कर्मप्रकृति का बन्ध	१८७
·६९	पचीस क्रियाओं का समवाय से विवेचन	१८८
·७	**सदनुष्ठानक्रिया का विवेचन**	**१८८-२४०**
·७१	सदनुष्ठानक्रिया	१८९
·७१·१	सदनुष्ठान क्रिया के पर्यायवाची शब्द	१८९
·७१·२	विभिन्न सदनुष्ठानक्रिया	१९०
·७१·२·१	सामायिक-चतुर्विंशतिस्तव-वंदना-प्रतिक्रमण-कायोत्सर्ग-प्रत्याख्यान-षट्आवश्यकक्रिया	१९०
·७१·२·२	दर्शन-ज्ञान-चारित्र-तप-विनय-सत्य-समिति-गुप्ति-अष्टसंयमानुष्ठान क्रिया	१९०
·७२	अक्रिया (क्रिया का अभाव)—परिभाषा / अर्थ, भेद	१९१
·७२·३	अक्रिया—किसका फल और उसका क्या फल	१९१
·७२·४	अक्रिय भिक्षु	१९२
·७३	अन्तक्रिया— परिभाषा / अर्थ, भेद	१९२
·७३·३	अन्तक्रिया और जीवदंडक	१९५
·७३·४	अनन्तर-परंपरभव में अन्तक्रिया और जीवदंडक	१९६
·७३·५	दंडक के जीव अनन्तर भव में कितने एक समय में अंतक्रिया करते हैं	१९७
·७३·६	एक भव से अनन्तरभव में अंतक्रिया	१९८
·७३·६·१	नारक भव से अनन्तर मनुष्य भव में अंतक्रिया	१९८
·७३·६·२	भवनपति देव से ,, ,,	१९९
·७३·६·३	पृथ्वीकाय-अप्काय-वनस्पतिकाय से अनन्तर मनुष्य भव में अंतक्रिया	१९९
·७३·६·४	अग्निकाय से अनन्तर मनुष्य भव में अंतक्रिया	२००
·७३·६·५	वायुकाय से ,, ,,	२००
·७३·६·६	द्वीन्द्रिय-त्रीन्द्रिय-चतुरिन्द्रिय से अनन्तर मनुष्य भव में अंतक्रिया	२००

"Aho Shrutgyanam"

विषय	पृष्ठ
·७३·६·७ तिर्यंच पंचेन्द्रिय भव से अनन्तर मनुष्य भव में अंतक्रिया	२०१
·७३·६·८ मनुष्यभव से अनन्तर मनुष्य भव में अंतक्रिया	२०१
·७३·६·९ वाणव्यंतर-ज्योतिषी वैमानिक देवसे अनंतर मनुष्य भव में अंतक्रिया	२०१
·७३·७ सलेशी पृथ्वी-अप्-वनस्पतिकायिक जीव और अनन्तर भव में अंतक्रिया	२०२
·७३·८ कहाँ से अनंतर मनुष्य भव में आकर जीव तीर्थंकरत्व पाकर अंतक्रिया करता है	२०३
·७३·९ कौन जीव अंतक्रिया करते हैं	२०६
·७३·९·१ दया-धर्म की प्ररूपणा करने वाला जीव अंतक्रिया करता है	२०६
·७३·९·२ निर्ग्रन्थ प्रवचन में स्थित जीव अंतक्रिया करता है	२०६
·७३·९·३ संवृत अनगार अंतक्रिया करता है	२०७
·७३·९·४ एजनादि क्रिया नहीं करने वाला जीव अन्तक्रिया करता है	२०७
·७३·९·५ अक्रिय जीव उसी भव में अन्तक्रिया करता है	२०८
·७३·९·६ तेरहवें क्रियास्थान में वर्तमान जीव अन्तक्रिया करता है	२०८
·७३·९·७ केवली अन्तक्रिया करते हैं	२०९
·७३·१० केवली जीव अन्तक्रिया कैसे करते हैं ?	२०९
·७३·११ जीव किससे अन्तक्रिया करता है	२१७
·७३·११·१ सम्यक्त्व पराक्रम से जीव अन्तक्रिया करता है	२१७
·७३·११·२ व्यवदान से जीव अन्तक्रिया करता है	२१८
·७३·११·३ सर्वभावप्रत्याख्यान से जीव अन्तक्रिया करता है	२१८
·७३·११·४ कायसमाधारणता से ,, ,,	२१८
·७३·११·५ चारित्रसम्पन्नता से ,, ,,	२१९
·७३·११·६ यथाख्यात चारित्र से ,, ,,	२१९
·७३·११·७ केवली आराधना से ,, ,,	२१९
·७३·११·८ ज्ञान-दर्शन-चारित्र की आराधना से अंतक्रिया	२२०
·७३·१२ कौन जीव अंतक्रिया नहीं करते हैं ?	२२१
·७३·१२·१ हिंसा की प्ररूपणा करने वाले जीव	२२१
·७३·१२·२ प्रथम बारह क्रियास्थान में वर्तमान जीव अंतक्रिया नहीं करता है	२२२
·७३·१२·३ असंवृत अणगार अंतक्रिया नहीं करता है	२२२
·७३·१२·४ छद्मस्थ-अवधिज्ञानी-परमावधिज्ञानी अंतक्रिया नहीं करते हैं	२२३
·७३·१२·५ एजनादि से सक्रिय जीव अंतक्रिया नहीं करता है	२२४

"Aho Shrutgyanam"

	विषय	पृष्ठ
·७३·१२·६	केवली समुद्घात करता हुआ जीव अंतक्रिया नहीं करता है	२२४
·७३·१३	विभिन्न जीव और अंतक्रिया	२२५
·७३·१३·१	क्षत्रिय और अन्तक्रिया	२२५
·७३·१३·२	श्रमणोपासक और अंतक्रिया	२२६
·७३·१३·३	अणगार और अंतक्रिया	२२६
·७३·१३·४	लवसप्तमदेव का जीव और अंतक्रिया	२२८
·७३·१३·५	दक्षिणार्ध भरतवासी मनुष्य और अंतक्रिया	२२९
·७३·१३·६	उत्तरार्ध ” ”	२२९
·७३·१३·७	भरतक्षेत्र की विद्याधरश्रेणी के मनुष्य और अन्तक्रिया	२२९
·७३·१३·८	सुषम-दुःषम काल में भरतवासी मनुष्य और अंतक्रिया	२३०
·७३·१३·९	दुःषम-सुषम काल में ” ”	२३०
·७३·१३·१०	दुःषम काल में ” ”	२३०
·७३·१३·११	आचार्य-उपाध्याय कितने भव में अंतक्रिया करते हैं	२३१
·७३·१३·१२	एकान्त पण्डित : अंतक्रिया	२३२
·७३·१३·१३	भवसिद्धिक जीव और कितने भव में अंतक्रिया	२३२
·७३·१५	अन्तक्रिया और अन्तकर का ज्ञान	२३५
·७३·१५·१	छद्मस्थ अंतक्रिया करने वाले को नहीं जानता है	२३५
·७३·१५·२	केवली का अंतक्रिया और अन्तकर को जानना और देखना	२३६
·७३·१५·३	अरिहन्त-जिन-केवली का अंतक्रिया करने के पहले जीव तथा अजीव को जानना-देखना	२३७
७३·१६	अन्तक्रिया में होने वाले सकलकर्मक्षय को समझाने के दृष्टांत	२३७
·७४	सदनुष्ठान क्रिया का उपदेश	२३९
·८	**जीव और क्रिया**	**२४०-२५३**
·८१·१	जीव की सक्रियता/अक्रियता	२४०
·८१·२	दण्डक के जीव की सक्रियता/अक्रियता	२४१
·८१·३	उत्पल आदि वनस्पतिकायिक जीव की सक्रियता-अक्रियता	२४१
·८२	जीव और आरम्भिकी क्रियापंचक	२४२
·८३	जीव और कायिकी ”	२४३
·८४	जीव और पापस्थानक्रिया	२४३

"Aho Shrutgyanam"

	विषय	पृष्ठ
·८५	जीव और ऐर्यापथिकी क्रिया	२४४
·८६	महायुग्म जीव और सक्रियता-अक्रियता	२४५
·८७	राशियुग्म जीव और सक्रियता-अक्रियता	२४८
·८८	सक्रिय जीव	२५०
·८८·१	सक्रिय जीव के भेद	२५२
·८८·१·१	दो भेद—सम्यक्त्व क्रिया वाला तथा मिथ्यात्व क्रिया वाला	२५२
·८८·१·२	दो भेद—ऐर्यापथिकी क्रिया वाला तथा सांपरायिकी क्रिया वाला	२५२
·८९	अक्रिय जीव	२५३
·९	**क्रिया और विविध विषय**	**२५३-३२७**
·९१	क्रिया और करण—करण की परिभाषा / अर्थ	२५३
·९१·२	काल की अपेक्षा करण-क्रिया के भेद	२५४
·९१·३	मन, वचन तथा काय की अपेक्षा करण के ३ भेद	२५५
·९१·४	आरम्भ, संरंभ तथा समारंभ की अपेक्षा करण के ३ भेद	२५५
·९२	क्रिया और दर्शन	२५६
·९२·१	—„— विवेचन	२५६
·९२·२	दर्शनों के क्रिया या अन्य आधार पर मूल विभाग	२५७
·९२·३	समवसरण और जीवदण्डक	२५८
·९२·४	**क्रियावाद / क्रियावादी—परिभाषा / अर्थ**	**२५९-२७७**
	१ अस्ति के आधार पर क्रियावाद	२५९
	२ क्रिया-कर्म बन्धन के हेतु के आधार पर क्रियावाद	२६०
	३ क्रिया-मोक्ष की हेतु के आधार पर क्रियावाद	२६१
·९२·४·२	क्रियावादी के भेद	२६१
·९२·४·३	समदृष्टि क्रियावादी—परिभाषा/अर्थ	२६२
·९२·४·३·२	समदृष्टि क्रियावादी जीव और भव्यता तथा शुक्लपाक्षिकता	२६३
·९२·४·३·३	क्रियावादी (समदृष्टि) जीव और जीवदंडक	२६४
·९२·४·३·४	क्रियावादी (समदृष्टि) जीव और आयुष्य का बंधन	२६६
·९२·४·३·५	क्रियावादी (समदृष्टि) जीव और भवसिद्धकता	२७०
·९२·४·३·६	अनंतरोपपन्नक क्रियावादी (समदृष्टि) और जीवदंडक	२७१
·९२·४·३·७	” ” आयुष्य का बंधन	२७२
·९२·४·३·८	” ” भवसिद्धकता	२७२

"Aho Shrutgyanam"

विषय		पृष्ठ
·६२·४·३·६	परंपरोपपन्नक क्रियावादी (समदृष्टि) जीव और जीवदंडक, आयुष्य बंधन और भवसिद्धिकता	२७३
·६२·४·३·१०	अनन्तरावगाढ़-अनन्तराहारक-अनंतरपर्याप्त क्रियावादी (समदृष्टि) जीव और जीवदंडक, आयुष्य का बंधन और भवसिद्धिकता	२७३
·६२·४·३·११	परंपरावगाढ-परंपराहारक-परंपरपर्याप्त क्रियावादी (समदृष्टि) जीव और जीवदंडक, आयुष्यका बंधन और भवसिद्धिकता	२७३
·६२·४·३·१२	चरम-अचरम क्रियावादी (समदृष्टि) जीव और जीवदंडक, आयुष्य बंधन और भवसिद्धिकता	२७३
·६२·५	क्रियावादी मिथ्यादृष्टि	२७४
·६२·५·१	—„— परिभाषा/अर्थ	२७४
·६२·५·२	क्रियावादी मिथ्यादृष्टि के भेद	२७४
·६२·५·३	क्रियावादी मिथ्यादृष्टि के सिद्धान्त	२७६
·६२·६	**अक्रियावाद/अक्रियावादी**	**२७७-३०६**
·६२·६·१	परिभाषा/अर्थ	२७७
·६२·६·२	अक्रियावादी के भेद—आठ भेद, चौरासी भेद, विशिष्ट भेद	२७८
·६२·६·३	अक्रियावादी के भेदों की परिभाषा/अर्थ तथा मत का प्रतिपादन	२८०
·१	एकवादी	२८०
·२	अनेकवादी	२८३
·३	मितवादी	२८३
·४	निर्मितवादी—ईश्वरकारणिकवादी	२८४
·५	सातवादी	२८८
·६	समुच्छेदवादी	२८६
७·	नित्यवादी	२६०
·८	नास्तिपरलोकवादी	२६१
·६	वामलोकवादी	२६१
·१०	तज्जीवतच्छरीरवादी—लोकायतिक	२६१
·११	पंचस्कंधवादी	२६४
·१२	धातुवादी	२६५
·१३	पंचमहाभूतवादी	२६५

"Aho Shrutgyanam"

विषय		पृष्ठ
	·१४ अक्रिय आत्मवादी	२६७
	·१५ नियतिवादी	२६८
·६२·६·४	अक्रियावादी जीव और दंडक (६२·६·७,१०,१३, १६, १६)	३००,७,८
·६२·६·५	अक्रियावादी जीव और आयुष्य का बंधन	३००,७,८
·६२·६·६	अक्रियावादी जीव और भव-अभवसिद्धिकता	३०४,७,८
·६३	क्रिया और प्रतिक्रमण	३०६
·६३·१	कायिकी क्रियापंचक और प्रतिक्रमण	३०६
·६३·२	तेरह क्रियास्थान और प्रतिक्रमण	३०६
·६४	क्रिया और भिक्षु	३०६
·६४·१	—,,— औधिक विवेचन	३०६
·६४·२	साध्वाचार के अतिक्रमण से भिक्षु को लगने वाली क्रियाएँ	३११
	·१ कालातिक्रमक्रिया	३११
	·२ उपस्थान क्रिया	३१२
	·३ अभिक्रांत क्रिया	३१२
	·४ अनभिक्रांत क्रिया	३१३
	·५ वर्ज्यक्रिया	३१३
	·६ महावर्ज्यक्रिया	३१४
	·७ सावज्जकिरिया	३१५
	·८ महासावज्ज क्रिया	३१५
	·६ अप्पसावज्ज क्रिया	३१६
	·१० परक्रिया	३१७
	·११ अन्योन्य क्रिया	३२३
	·१२ भिक्षु और कृतक्रिया	३२४
·६४·३	भिक्षु और अक्रिया	३२४
·६४·४	भिक्षु और वैद्य की छेदन-क्रिया	३२४
·६७	क्रिया संबंधी उपदेश	३२५
·६८	जैनेतर ग्रन्थों में क्रिया के समतुल्य वर्णन	३२६
	·१ गीता में कर्म संग्रह का कारण करण-क्रिया	३२६
	·२ गीता में सर्वारम्भपरित्यागी आत्मा	३२६
	·३ गीता में कर्मों से लिप्त न होने वाली आत्मा	३२६

"Aho Shrutgyanam"

विषय		पृष्ठ

·६६ **क्रिया सम्बन्धी फुटकर पाठ** ३२७-३६२

·६६·१ क्रिया और स्याद्वाद ३२७

·६६·२ " आस्रव ३२७

·६६·३ " वेदना ३२७

·६६·४ " दुःख ३२८

·६६·५ " गुणस्थान ३२९

·६६·६ क्रिया और ज्ञान ३३०

·६६·७ ,, दर्शन ३३१

·६६·८ ,, ध्यान ३३१

·६६·९ ,, और अहिंसा महाव्रत की भावना ३३२

·६६·१० ,, और काल ३३२

·६६·११ ,, और परिणाम ३३२

·६६·१२ ऐर्यापथिक क्रिया और 'सावद्य' ३३४

·६६·१३ कर्म, क्रिया, आस्रव और वेदना की चौपदी ३३५

·१ अग्निकाय की अपेक्षा ३३५

·२ महाकर्म-क्रिया-आस्रव-वेदना वाले जीव की अपेक्षा ३३६

·३ अल्पकर्म-क्रिया-आस्रव-वेदना वाले जीव की अपेक्षा ३३७

·४ अग्नि जलाते-बुझाते पुरुष की अपेक्षा ३३८

·५ नारकी जीवों में चौपदी की अपेक्षा तुलना ३३९

·६ मायिमिथ्यादृष्टि तथा अमायिसम्यग्दृष्टि जीवों की अपेक्षा ३४०

·७ जीवदण्डक की अपेक्षा ३४१

·८ साधु-साध्वी-श्रावक-श्राविका की अपेक्षा ३४२

·६६·१४ आस्रव-क्रिया-वेदना और निर्जरा की अपेक्षा चौपदी ३४३

·६६·१५ दो क्रियावाद ३४५

·६६·१६ दो क्रियावादी निह्नव की परभव में उत्पत्ति ३४७

·६६·१७ निश्चयनय और क्रियावाद ३४८

·६६·१८ परस्पर विरोधी क्रियाएँ एक समय में युगपत् नहीं होती हैं ३४९

·६६·१९ सूर्य की क्रिया और जम्बूद्वीप ३४९

·६६·२० भुलावण प्रतिसंदर्भ के पाठ ३४९

·६६·२१ छुटे हुए पाठ ३५०-३५४-३६१

·६६·२२ श्रावक की त्रेपन क्रिया ३५४

— अध्ययन, गाथा, सूत्र आदि की संकेत-सूची ३५५

— संकलन-सम्पादन-अनुसंधान में प्रयुक्त ग्रन्थों की सूची ३५६-३५७

— संदर्भ ग्रन्थों की सूची ३५८

"Aho Shrutgyanam"